क्रमांक 3491119/कार्य/प्र.अ./
प्रमुख अभियंता,
जल संसाधन विभाग, तुलसी नगर, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28.11.2016

प्रति,

(1) मुख्य अभियंता,
यमुना कछार
जल संसाधन विभाग, ग्वालियर ।

(2) मुख्य अभियंता,
राजघाट नहर परियोजना
जल संसाधन विभाग, दतिया ।

विषयः— कार्यों का निरीक्षण दिनांक 05.11.2016

दिनांक 05 नवम्बर 2016 को प्रमुख सचिव, म.प्र.शासन जल संसाधन विभाग एवं प्रमुख अभियंता,जल संसाधन विभाग, के व्दारा चंबल नहर प्रणाली का संयुक्त निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के बिन्दु निम्नानुसार हैः—

1. मुरैना ब्राँच केनाल की 21 एल वितरिका की 5 एल माइनर में कोलाबा पाईप ठीक से लगे हुए नहीं पाये गये । लाईनिंग के समय कृषकों से यह कहा गया था कि वे अपने स्वयं के पाईप लेकर आयें । कृषकों के व्दारा कम लंबाई के पाईप लाये गये, जिससे नहर मार्ग में भी अवरोध उत्पन्न हो रहा है, कोलाबे भी ठीक से कार्य नहीं कर रहे हैं ।

2. अधिकांश नहरों की एप्रोच रोड में घनी झाड़ियाँ पाई गईं । जिन्हें तत्काल साफ करायें ।

3. जहाँ—जहाँ भी निरीक्षण किया गया कोलावों की स्थिति संतोषजनक नहीं है । प्रमुख अभियंता के व्दारा रुपये 4500/— जल उपभोक्ता संथा को प्रति कोलाबा निर्माण हेतु देने आदेश जारी किये गये हैं इसके पश्चात् भी नवीन कोलाबे नहीं बनाये गये हैं ।

4. चंबल क्षेत्र के अंतर्गत कमांड क्षेत्र-विकास का कार्य लगभग 50 वर्ष पूर्व किया गया था जिसमें कच्ची नालियॉ वाटर कोर्स के लिये बनाई गयी थी । कृषकों के व्दारा बताया गया कि ये नालियाँ अब अस्तित्व में नहीं है

...2

जिसके कारण टेल क्षेत्र में पानी पहुँचने में कठिनाई हो रही है । इस समस्या के निराकरण हेतु प्रस्ताव मुख्य अभियंता प्रेषित करें ।

5. **रमौआ जलाशय :–** जल संसाधन संभाग डबरा के अंतर्गत रमौआ जलाशय का निरीक्षण किया गया । इस जलाशय में प्रतिवर्ष पानी का भराव मात्र 15 से 20 प्रतिशत होता है । इस जलाशय के जलग्रहण क्षेत्र को हरसी उच्च स्तरीय नहर से इस वर्ष जोड़ा गया जिसके कारण इस जलाशय से प्रथमबार सिंचाई प्रारंभ हो गई है । इस जलाशय का उपयोग ग्वालियर नगर में पेयजल हेतु एक स्रोत के रूप में किया जा सकता है । इस जलाशय में पानी का भराव प्रारंभ होने से दर्शकों की आवाजाही अधिक हो गई है । अतः पहुँच मार्ग की कांकीटिंग की जावे । स्लूस से हो रहे रिसाव को रोकने के लिये भी प्रयास किये जाऐं।

6. दतिया नगर का सीता सागर सरोवर, दतिया नगर के मध्य में है यह एक रमणीक स्थल है । इसमें जल की पूर्ति अंगूरी बैराज से की जाती है । नगर के मध्य स्थित होने से इस जलाशय का पानी अत्याधिक प्रदूषित है । माननीय मंत्री जी के निर्देशों पर इस जलाशय का निरीक्षण किया गया । यह जलाशय जल संसाधन विभाग के अंतर्गत नहीं है, किन्तु अंगूरी बैराज से पोषित होने के कारण तथा दतिया नगर में भू–जल संवर्धन में उपयोगी होने के कारण इस जलाशय का महत्व है ।

7. अंगूरी बैराज से पम्प के व्दारा पानी इस जलाशय में आना बताया गया है जिसके साथ जल कुम्भी के बीज भी आते हैं । फलस्वरूप जलाशय में जलकुम्भी का विस्तार बहुत अधिक है । तात्कालिक रूप से इसे निकलवाने हेतु प्रमुख अभियंता के व्दारा रुपये 5.00 लाख का कार्य कराये जाने की अनुमति प्रदान की गई है । इस जलाशय के पानी का ओ.डी.,बी.ओ.डी. ,फीकल काली फर्म एवं टी.सी. परीक्षण किया जाना आवश्यक है, जिससे उसकी गुणवत्ता ज्ञात हो सके । पानी में आक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिये फव्वारे लगाये जा सकते हैं, तथा इस विषय के विशेषज्ञ की सलाह लेकर इसके जल की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है ।

8. अंगूरी बैराज के निरीक्षण में यह पाया गया कि इस जलाशय में अत्याधिक मात्रा में जलकुंभी का फैलाव हो गया है, जिससे गेटों से पानी की निकासी की समस्या हो रही है । बैराज के गेटों के आसपास भी काफी अत्यधिक जलकुंभी है जिसके कारण गेट संचालन प्रभावित हो सकता है ।

9. इस जलाशय के गेट का संधारण संतोषजनक नहीं है । यह एक महत्वपूर्ण संरचना है जिसमें निर्धारित समय पर गेट को पेंट करना चाहिये । अन्यथा खराब होने पर बहुत अधिक लागत से ही सुधार संभव हो सकेगा।

28.11.16

(एम.जी.चौबे)
प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग

पृष्ठांकन कमांक 3491119/कार्य/प्र.अ./ भोपाल, दिनांक 29.11.2016

प्रतिलिपि–

1. प्रमुख सचिव, म.प्र.शासन जल संसाधन विभाग, मंत्रालय भोपाल की ओर सूचनार्थ ।
2. अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन मण्डल, ग्वालियर /मुरैना/दतिया ।
3. कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन, ग्वालियर,/दतिया ।
4. वैब मैनेजर, कार्यालय परियोजना संचालक, (पाईकू) जल संसाधन विभाग, भोपाल की ओर वैब साईट पर प्रदर्शित करने हेतु ।

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित ।

28.11.16

(एम.जी.चौबे)
प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग